गुरु घासीदास विश्वविद्यालय

बिलासपुर छ.ग.

हिंदी विभाग

कला संकाय

सत्र 2018-19 एवं क्रमशः

हेतु

संचालित पाठ्यक्रम

स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम के चयन स्तरीय प्रणाली

(choice based credit system)

की सत्रीय व्यवस्था युक्त

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय वि.वि.) बिलासपुर छ.ग.

विश्वविद्यालय पत्र 185/अका/अ.मं./हिंदी/2018 बिलासपुर दिनांक 12-06-18 के अनुसार हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम अध्ययनमंडल के सदस्यों के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है |

बैठक तिथि 30 जून 2018

समय 10:00 बजे

अध्ययनमंडल के सदस्य :

1. डॉ .रमेश कुमार गोहे - अध्यक्ष - अध्यक्ष - अध्ययनमंडल Rama 30/06/18
   विभागाध्यक्ष ,हिंदी विभाग

2. प्रो.वीरेंद्र मोहन - बाह्य विषय विशेषज्ञ अध्ययनमंडल
   डॉ हरीसिंह गौर वि.वि. सागर म.प्र

3. श्री मुरली मनोहर सिंह - सदस्य अध्ययनमंडल 30/06/18
   सहायक प्राध्यापक हिंदी विभाग

हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

B.A. (HONOURS) HINDI CBCS पाठ्यक्रम प्रारूप
(सत्र 2018–19)

CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

1- **लोक साहित्य**

2- **राष्ट्रीय काव्यधारा**

3- **छायावाद**

4- **प्रेमचन्द**

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

1. हिन्दी व्याकरण और संप्रेषण – प्रथम सेमेस्टर
2. हिन्दी भाषा और संप्रेषण – द्वितीय सेमेस्टर

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

1- रचनात्मक लेखन

वि.वि.प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

- बी.ए.आनर्स हिंदी
- एम.ए.हिंदी

वि.वि.शोध प्रवेश परीक्षा

पाठ्यक्रम

- प्री पीएच.डी.

विभागाध्यक्ष

हिन्दी विभाग

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

REVISED SYLLABUS OF CBCS

B.A.(HONOURS) (HINDI)

CORE COURSE (CC)

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)
2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता
4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)
5. छायावादोत्तर हिंदी कविता
6. भारतीय काव्यशास्त्र
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र
8. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा
9. हिंदी उपन्यास
10. हिंदी कहानी
11. हिंदी नाटक एवं एकांकी
12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं
13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता
14. प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-101

1. हिंदी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

- आदिकाल
    - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
    - सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य
    - रासो काव्य, लौकिक साहित्य
- भक्तिकाल
    - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
    - संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य
- रीतिकाल
    - सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृत्तियाँ
    - रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-102

2. हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

- आधुनिक काल : राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, हिंदी नवजागरण

  भारतेन्दु युग

  द्विवेदी युग

  छायावाद

  प्रगतिवाद

  प्रयोगवाद

  नई कविता

  समकालीन कविता

- हिंदी गद्य का विकास :

  स्वतंत्रता पूर्व हिंदी गद्य

  स्वातंत्र्योत्तर हिंदी गद्य

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-201
3. आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

1. विद्यापति – दो पद

1. वंशी माधुरी–
(नंदक नंदन कदंबक तरूतर........)

2. ग्लानि–
(माधव हमर रहल दुरदेस..........)

(विद्यापति – शिव प्रसाद सिंह)

2. कबीर – दो पद–

1. झीनी–झीनी बीनी चदरिया...
2. मोको कहाँ ढूंढे रे बंदे

संदर्भ- (कबीर ग्रथांवली – श्याम सुंदर दास)

3. जायसी – नागमती वियोग खण्ड से दो पद

1. नागमती चितउर पथ हेरा..............
2. कातिक सरद उजियारी...........

संदर्भ- पद्मावत (नागमती वियोग खण्ड – सं. रामचन्द्र शुक्ल)

4. सूरदास – 1. भ्रमरगीत सार –एक पद

आयो घोष बड़ो **व्यापारी**

संदर्भ- (भ्रमरगीत सार– स.ंरामचन्द्र शुक्ल)

मैया मोहिं दाऊ बहुत खिझायौ......

संदर्भ- (सूरसागर)

5. तुलसीदास – अवधेस के द्वारें सकारें गई - कवितावली (बालकाण्ड)

खेती न किसान को भिखारी को न भीख, बलि- ~~(विनय पत्रिका)~~ कवितावली

6. रहीम –

1. रहिमन धागा प्रेम का
2. रहिमन देखि बड़ेन को
3. रहिमन विपदा हूँ भली
4. रहिमन निजमन की व्यथा
5. रहिमन प्रीति सराहिये मिलत होत रंग दून.....

संदर्भ- (रहीम ग्रन्थावली– विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन)

7. मीरा

1. हेरी म्हा दरद **दीवाणी**
2. महाराँ री गिरधर गोपाल दूसराँ.......

संदर्भ- (मीरा का काव्य / मीरा पदावली – विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन)

8. बिहारी –

1. मेरी भव बाधा हरौ
2. कागद पर लिखत न बनत........
3. बतरस लालच लाल की ....
4. अजौं तर्यौना ही रहयौ ......
5. तंत्री नाद, कबित्त रस ....

संदर्भ- (बिहारी रत्नाकर– सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर)

9. घनानंद

1. रावरे रूप की रीति अनूप............................
2. हीन भएँ जल मीन अधीन ....

संदर्भ- (घनानंद कवित्त - **जगन्नाथदास रत्नाकर**)

10. रसखान –

1. मानुषु हौं तो वही रसखान बसौं.....................
2. मोर पखा सिर ऊपर राखिहौ.....................

संदर्भ- (सुजान रसखान : सं. – विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-202

4. आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)

1. भारतेंदु :–	1.रोवहूँ सब मिलिके	**(भारत दुर्दशा नाटक से)**
2. 'हरिऔध –	1. दिवस का अवसान समीप था..........	**(प्रिय प्रवास – प्रथम सर्ग)**
3. मैथिलीशरण गुप्त –	1. दोनों ओर प्रेम पलता है।	**(साकेत के नवम सर्ग से)**
4. रामनरेश त्रिपाठी –	1. मातृभूमि की जय हो	**(मानसी – काव्य संग्रह से)**
5. जयशंकर प्रसाद –	1. बीती विभावरी जाग री	**(लहर – काव्य संग्रह से)**
6. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला –	1. भिक्षुक	**(राग–विराग)**
7. सुमित्रानंदन पंत –	1. परिवर्तन	**(तारापथ– काव्य संग्रह से)**
8. महादेवी वर्मा –	1. मैं नीर भरी दुःख की बदली	**(दीपशिखा –काव्य संग्रह से)**

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-301

5. छायावादोत्तर हिन्दी कविता

1. केदारनाथ अग्रवाल –	1. बसंती हवा
2. नागार्जुन –	1. बादल को घिरते देखा है।
3. रामधारी सिंह दिनकर –	1. समर शेष है
4. माखनलाल चतुर्वेदी –	1. पुष्प की अभिलाषा
5. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' –	1. कलगी बाजरे की
6. भवानी प्रसाद मिश्र –	1. गीतफरोश
7. रघुवीर सहाय –	1. रामदास
8. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना –	1. तुम्हारे साथ रहकर
9. गिरिजाकुमार माथुर –	1. छाया मत छूना मन

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-302

6. भारतीय काव्यशास्त्र

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।
- रस सिद्धान्त – रस की अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण।
- ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनियों का वर्गीकरण।
- अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय।
- रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।
- वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।
- औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा।
- हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचय।

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-303

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र

- प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ।
- अरस्तू – अनुकृति एवं विरेचन।
- लोंजाइनस – काव्य में उदात्त की अवधारणा।
- वड्र्सवर्थ – काव्य भाषा का सिद्धान्त।
- कॉलरिज – कल्पना और फैन्टेसी।
- क्रोचे – अभिव्यंजनावाद।
- टी.एस. एलियट – परम्परा और निर्वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त।
- आई.ए. रिचडर्स – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण सिद्धान्त।
- नई समीक्षा। मार्क्सवादी समीक्षा।
- शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, यथार्थवाद, शैली विज्ञान।
- आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता एवं औपनिवेशिकता, संरचनावाद।

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-401**

8. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

- भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली।
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान का ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।
- स्वनिम विज्ञान : स्वन, परिभाषा, वागीन्द्रियाँ,

  स्वनों का वर्गीकरण – स्थान और प्रयत्न के आधार पर। स्वन परिवर्तन के कारण।
- रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात।
- वाक्य विज्ञान – वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण।
- अर्थ विज्ञान – शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ।
- अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ।
- राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी।
- देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास।

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-402**

9. हिंदी उपन्यास

- गबन – प्रेमचंद
- त्यागपत्र – जैनेन्द्र कुमार
- मृगनयनी – वृंदावन लाल वर्मा
- मानस का हंस – अमृतलाल नागर
- महाभोज – मन्नू भंडारी

पाठ्यक्रम संख्या **AR/HIN/C-403**

10. हिंदी कहानी

• उसने कहा था	: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
• पूस की रात	: प्रेमचंद
• आकाशदीप	: जयशंकर प्रसाद
• हार की जीत	: सुदर्शन
• पाजेब	: जैनेन्द्र कुमार
• तीसरी कसम	: फणीश्वरनाथ 'रेणु'
• मिस पाल	: मोहन राकेश
• परिन्दे	: निर्मल वर्मा
• दोपहर का भोजन	: अमरकांत
• सिक्का बदल गया	: कृष्णा सोबती
• पिता	: ज्ञानरंजन

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/ C - 501

11. हिन्दी नाटक एवं एकांकी

नाटक

- अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चन्द्र
- स्कन्दगुप्त : जयशंकर प्रसाद
- **आषाढ़** का एक दिन : **मोहन** राकेश
- माधवी : भीष्म साहनी

एकांकी

- औरंगजेब की आखिरी रात : रामकुमार वर्मा
- विषकन्या : गोविन्द वल्लभ पंत
- और वह जा न सकी : विष्णु प्रभाकर
- भोर का तारा : जगदीशचंद्र माथुर

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-502

12. हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएँ

- सरदार पूर्ण सिंह– मजदूरी और प्रेम
- रामचन्द्र शुक्ल – करुणा
- हजारी प्रसाद द्विवेदी – देवदारु
- विद्यानिवास मिश्र – मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
- शिवपूजन सहाय – महाकवि जयशंकर प्रसाद
- रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया
- डॉ. नगेन्द्र – दादा स्वर्गीय बालकृष्ण शर्मा 'नवीन'
- माखनलाल चतुर्वेदी – तुम्हारी स्मृति
- विष्णुकांत शास्त्री – ये हैं प्रोफेसर शशांक

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-601

13. हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता

- साहित्यिक पत्रकारिताः अर्थ, अवधारणा और महत्त्व।
- भारतेन्दु युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- द्विवेदी युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- प्रेमचंद और छायावाद युगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय और प्रवृत्तियाँ।
- साहित्यिक पत्रकारिता में अनुवाद की भूमिका।
- महत्वपूर्ण पत्र–पत्रिकाएँ : बनारस अखबार, भारत मित्र, हिन्दी प्रदीप, **हिंदुस्तान** आज, **स्वदेश** प्रताप, कर्मवीर, विशाल भारत तथा जनसत्ता।

पाठ्यक्रम संख्या AR/HIN/C-602

14. प्रयोजनमूलक हिंदी

- मातृभाषा एवं अन्य भाषा के रूप में हिंदी, सम्पर्क भाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, बोलचाल की सामान्य हिंदी, मानक हिंदी और साहित्यिक हिंदी, संविधान में हिंदी।
- हिन्दी की शैलियाँ : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी।
- हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास।
- हिन्दी का मानकीकरण।
- हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र : भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना, वार्ता–प्रकार और शैली।
- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार : कार्यालयी हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, वैज्ञानिक हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण, व्यावसायिक हिन्दी और उसके लक्षण, संचार माध्यम (आकाशवाणी, दूरदर्शन, चलचित्र) की हिन्दी और उसके प्रमुख लक्षण।
- भाषा व्यवहार : सरकारी पत्राचार, टिप्पणी तथा मसौदा–लेखन, सरकारी अथवा व्यावसायिक पत्र–लेखन।
- हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण प्रक्रिया एवं प्रस्तुति

B.A. (HONOURS) HINDI

DISCIPLINE SPECIFIC ELECTIVE COURSE (DSEC)

1. **लोक साहित्य**
2. **राष्ट्रीय काव्यधारा**
3. **छायावाद**
4. प्रेमचंद

1- लोक साहित्य

- लोक और लोकवार्ता, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोकवार्ता और लोक संस्कृति,

लोक संस्कृति और साहित्य, साहित्य और लोक का अंतःसंबंध, लोक साहित्य का अन्य सामाजिक विज्ञानों से संबंध, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।

- भारत में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास, लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का

वर्गीकरण। लोक गीत : संस्कारगीत, व्रतगीत, श्रमगीत, ऋतुगीत, जातिगीत।

- लोकनाट्य : रामलीला, रासलीला, कीर्तनियाँ, स्वांग, यक्षगान, विदेशिया, भांड, तमाशा, नौटंकी। हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि। हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

पर लोकनाट्यों का प्रभाव।

- लोककथा : व्रतकथा, परीकथा, नाग–कथा, कथारूढ़ियाँ और अंधविश्वास।
- लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे, कहावतें, लोकोक्तियाँ, पहेलियाँ।
- लोकनृत्य एवं लोकसंगीत।

2-राष्ट्रीय काव्यधारा

1– मैथिलीशरण गुप्त - (प्रतिनिधि कविताएँ - मैथिलीशरण गुप्त)
क– मातृभूमी -
ख – निरख सखी ए खंजन आये

2– माखनलाल चतुर्वेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - माखनलाल चतुर्वेदी)
क– कैदी और कोकिला
ख– जलियावाला बेदी

3–सोहनलाल द्विवेदी (प्रतिनिधि कविताएँ - सोहनलाल द्विवेदी)
क– कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती
ख– बढे चलो बढे चलो

4– बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (प्रतिनिधि कविताएँ - बाल कृष्ण शर्मा नवीन)
क– विप्लव गायन
ख – हम अनिकेतन

5– रामधारी सिंह दिनकर (प्रतिनिधि कविताएँ - रामधारी सिंह दिनकर)
क– कलम आज उनकी जय बोल
ख– गांधी

3– छायावाद

जयशंकर प्रसाद –

1– आंसू काव्य खंड के प्रथम 15 पद (सन्दर्भ- आंसू खंड काव्य)

2– ले चल मुझे भुलावा देकर मेरे नाविक धीरे धीरे (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें –जयशंकर प्रसाद)

3– अरुण यह मधुमय देश हमारा (सन्दर्भ- प्रतिनिधि कवितायें –जयशंकर प्रसाद)

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

1. ध्वनि
2. बादल राग -6
3. बांधो न नाव इस ठांव बंधु (समस्त कवितायें राग विराग संग्रह से)

सुमित्रानंदन पंत

1. नौका विहार
2. मौन निमंत्रण
3. मोह (सन्दर्भ- समस्त कवितायें तारापथ संकलन से)

महादेवी वर्मा

1- जो तुम आ जाते एक बार

2.मधुर मधुर मेरे दीपक जल

3.पंकज कली (सन्दर्भ-समस्त कवितायें प्रतिनिधि कवितायें महादेवी वर्मा से)

4. प्रेमचंद

- उपन्यास – सेवासदन
- नाटक – कर्बला
- निबंध – साहित्य का उद्देश्य
- कहानियाँ – पूस की रात, शतरंज के खिलाड़ी, पंच परमेश्वर, ईदगाह, दो बैलों की कथा। (प्रतिनिधि कहानियां -प्रेमचंद)

B.A. (HONOURS) HINDI

GENERIC ELECTIVE COURSE (GEC)

1. कला और साहित्य
2. आधुनिक भारतीय साहित्य
3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य
4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

पाठ्यक्रम संख्या AR/AIN/GEC-101

1. कला और साहित्य

- कला और साहित्य का अंतःसंबंध
- कला और समाज का अंतःसंबंध
- कला में दीर्घजीविता के तत्व और उपकरण
- भारतीय कला का विकास
- भारतीय कला का सौंदर्यशास्त्रीय महत्व
- कला और हिन्दी साहित्य के सम्बंध की परपंरा
- लोक–कला और साहित्य
- साहित्य के मूल्यांकन में कला का महत्व
- भारतीय नाट्य कला

पाठ्यक्रम संख्या **AR/AIN/GEC-102**

2. आधुनिक भारतीय साहित्य

- स्वाधीनता संग्राम और भारतीय नवजागरण तथा उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- भारतीय साहित्य और राष्ट्रीयता
- महात्मा गांधी और महर्षि अरविंद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव
- मार्क्सवाद एवं अस्तित्ववाद का भारतीय साहित्य पर प्रभाव

पाठ्य पुस्तकें

(उपन्यास)

आनंद मठ – बंकिम चंद्र

✓ **मृत्युंजय** – शिवाजी सावंत

आवरण – भैरप्पा

- सुब्रमण्यम भारती की कविताएँ – **प्रतिनिधि 5 कवितायें**

पाठ्यक्रम संख्या **AR/AIN/GEC-201**

3. पाश्चात्य दार्शनिक चिंतन एवं हिन्दी साहित्य

- अभिव्यंजनावाद
- स्वच्छंदतावाद
- अस्तित्त्ववाद
- मनोविश्लेषणवाद
- मार्क्सवाद
- आधुनिकतावाद
- संरचनावाद
- कल्पना, बिंब, फैंटेसी
- मिथक एवं प्रतीक

पाठ्यक्रम संख्या **AR/AIN/GEC-202**

4. सर्जनात्मक लेखन के विविध क्षेत्र

- रिपोर्ताज़ : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन–प्रविधि।
- फीचर लेखन : विषय–चयन, सामग्री–निर्धारण, लेखन–प्रविधि। सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से सम्बद्ध विषयों पर फीचर लेखन।
- साक्षात्कार (इण्टरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार–प्रविधि, महत्त्व।
- स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ, समाचार पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट।
- दृश्य–सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से सम्बन्धित लेखन।
- बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा।
- आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता।

B.A. (HONOURS) HINDI

ABILITY ENHANCEMENT COMPULSORY COURSE (AECC)

1. हिंदी व्याकरण और संप्रेषण
2. हिंदी भाषा और संप्रेषण

1. हिंदी व्याकरण और सम्प्रेषण

- हिंदी व्याकरण एवं रचना – संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया एवं अव्यय का परिचय। उपसर्ग, प्रत्यय तथा समास। पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियां, पल्लवन एवं संक्षेपण
- संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
- संप्रेषण के प्रकार
- संप्रेषण के माध्यम
- संप्रेषण की तकनीक
- अध्ययन, वाचन एवं चर्चा : प्रक्रिया एवं बोध
- साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

2. हिंदी भाषा और सम्प्रेषण

- भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं विविध रूप
- हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय संबंधी।
- हिंदी की वर्ण–व्यवस्था : स्वर एंव व्यंजन।
- स्वर के प्रकार – ह्रस्व, दीर्घ तथा प्लुत
- व्यंजन के प्रकार – स्पर्श, अन्तस्थ, ऊष्म, अल्पप्राण, महाप्राण, घोष तथा अघोष।
- वर्णों का उच्चारण स्थान : कण्ठ्य, तालव्य, मूर्धन्य, दन्त्य, ओष्ठ्य तथा दन्तोष्ठ्य।
- बलाघात, संगम, अनुतान तथा संधि।
- भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।

B.A.(HONOURS) HINDI
SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

1. रचनात्मक लेखन

1. रचनात्मक लेखन

- रचनात्मक लेखन : स्वरूप एवं सिद्धांत

  भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया

  विविध अभिव्यक्ति–क्षेत्र : साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञापन,

  विविध गद्य अभिव्यक्तियाँ

  जनभाषा और लोकप्रिय संस्कृति

  लेखन के विविध रूप : मौखिक–लिखित, गद्य–पद्य, कथात्मक–कथेतर, नाट्य–पाठ्य

- रचनात्मक लेखन : भाषा–संदर्भ

  अर्थ निर्मिति के आधार : शब्दार्थ–मीमांसा, शब्द के प्राक्–प्रयोग, नव्य–प्रयोग

  भाषिक संदर्भ : क्षेत्रीय, वर्ग–सापेक्ष, समूह–सापेक्ष

- रचनात्मक लेखन : रचना–कौशल–विश्लेषण

  रचना–सौष्ठव : शब्द–शक्ति, प्रतीक, बिंब, अलंकरण और वक्रताएं

- विविध विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन

  क. कविता : संवेदना, काव्यरूप, भाषा–सौष्ठव, छंद, लय, गति और तुक

  ख. कथासाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं विमर्श

  ग. नाट्यसाहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश एवं रंगकर्म

  घ. विविध गद्य–विधाएँ : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य

  ड. बाल साहित्य की आधारभूत संरचना

- सूचना–तंत्र के लिए लेखन

  प्रिंट माध्यम : फीचर–लेखन, यात्रा–वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक–समीक्षा

  इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : रेडियो, दूरदर्शन, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

बी.ए.आनर्स हिंदी

वि.वि.प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

विषय सूची

- हिंदी भाषा व बोलियों का परिचय
- हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास
- भक्तिकाल- समय सीमा, प्रवृत्तियां,प्रमुख कवि व रचनाएँ
- छायावाद- प्रवृत्तियां, कवि व रचनाएँ
- आधुनिक काल- महत्वपूर्ण लेखक व रचनाएँ
- व्याकरण-संधि समास, वाक्य संरचना परिचय
- हिंदी की महत्वपूर्ण कृतियों व लेखकों की जानकारी

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर

एम.ए.हिंदी
वि.वि.प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

विषय सूची

1. हिन्दी भाषा और उसका इतिहास

- अपभ्रंश, अवहट्ट और पुरानी हिन्दी
- काव्य भाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास
- काव्य भाषा के रूप में ब्रज भाषा का उदय और विकास
- साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास
- हिन्दी की बोलियाँ : वर्गीकरण और क्षेत्र

2. हिन्दी साहित्य का आदिकाल

- अमीर खुसरो की हिन्दी कविता
- विद्यापति और उनकी पदावली

3. हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

- आलवार संत
- हिन्दी संत काव्य
- हिन्दी सूफी काव्य
- हिन्दी कृष्ण काव्य
- हिन्दी रामकाव्य

4. हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

- मुख्य प्रवृत्तियाँ, कवियों का आचार्यत्व
- रीतिकाल में लोक जीवन

5. हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

- हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास
- भारतेन्दु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- उत्तर छायावादी काव्य
- प्रगतिशील काव्य

- प्रयोगवाद और नई कविता
- समकालीन कविता
- समकालीन पत्रकारिता
- **कहानी का उद्भव व विकास**
- **उपन्यास**
- **कथेतर गद्‌य विधाएं**
- **समकालीन साहित्य**

6. हिन्दी साहित्य की गद्य विधाएँ

- हिन्दी उपन्यास
- हिन्दी कहानी
- हिन्दी नाटक
- हिन्दी निबन्ध
- हिन्दी आलोचना
- हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ

7. काव्यशास्त्र आलोचना

- रस विवेचन
- शब्द शक्तियाँ और ध्वनि
- अलंकार

विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा

विषय सूची

New

इकाई –1. हिन्दी भाषा और उसका इतिहास

- अपभ्रंश, अवहट्ट और पुरानी हिन्दी
- काव्य भाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास
- काव्य भाषा के रूप में ब्रज भाषा का उदय और विकास
- साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास
- मानक हिन्दी भाषा का वैज्ञानिक विवरण
- हिन्दी की बोलियाँ : वर्गीकरण और क्षेत्र
- नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण
- हिन्दी के प्रसार आन्दोलन में प्रमुख व्यक्तियों और संस्थाओं का योगदान
- राजभाषा के रूप में हिन्दी
- हिन्दी भाषा– प्रयोग के विविध रूप– बोली, मानक भाषा, सम्पर्क भाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा, संचार माध्यम और हिन्दी, विश्व हिन्दी सम्मेलन

इकाई –2. हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

- हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की पद्धतियाँ, प्रमुख इतिहास ग्रन्थ
- हिन्दी के प्रमुख साहित्य केन्द्र, संस्थाएँ एवं पत्र–पत्रिकाएँ
- हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल– विभाजन और नामकरण
- आदिकाल : प्रमुख काव्य–प्रवृत्तियाँ एवं कृतियाँ
- अमीर खुसरो की हिन्दी कविता
- विद्यापति और उनकी पदावली
- आरम्भिक गद्य तथा अलौकिक साहित्य
- भक्ति–आन्दोलन : उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक कारण
- प्रमुख निर्गुण एवं सगुण सम्प्रदाय
- आलवार संत
- भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य
- हिन्दी संत काव्य, सूफी काव्य, कृष्ण काव्य, रामकाव्य
- रीतिकाल : मुख्य प्रवृत्तियाँ, कवियों का आचार्यत्व, प्रमुख कवि, लोक जीवन

इकाई –3 हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

- भारतेन्दु युग
- द्विवेदी युग
- छायावाद
- उत्तर छायावादी काव्य

- प्रगतिशील काव्य
- प्रयोगवाद और नई कविता
- समकालीन कविता

इकाई –4. हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास

- हिन्दी उपन्यास
- हिन्दी कहानी
- हिन्दी नाटक
- हिन्दी निबन्ध
- हिन्दी आलोचना
- हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ
- हिंदी पत्रकारिता

इकाई –5. काव्यशास्त्र आलोचना

- रस विवेचन
- शब्द शक्तियाँ और ध्वनि
- अलंकार
- काव्यरीति, काव्य गुण एवं काव्य दोष
- मिथक, फन्तासी, कल्पना, प्रतीक और बिम्ब
- हिन्दी साहित्य के विविधवाद
- समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र.. परिचय